उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
सचिवालय परिसर, सूभाष रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 12 मई, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–07(05/59)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने मातृ दिवस के अवसर पर अपनी माता स्व. श्रीमती बोद्धा देवी का स्मरण करते हुए कहा कि जिस प्रकार प्रत्येक मां द्वारा अपनी सबसे छोटी संतान पर सबसे अधिक प्यार लुटाया जाता है, उसी प्रकार परिवार का सबसे छोटा सदस्य होने के कारण मुझे भी सबसे अधिक प्यार प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि जब भी उन्हें पठन पाठन हेतु कहीं जाना पड़ा हो या सामाजिक और राजनीतिक कार्यों में भाग लेने की इच्छा जताई, उनके माता–पिता ने हमेशा उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि आज वह जिस मुकाम पर हैं, अपने माता–पिता की बदौलत ही हैं।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने कहा कि वे जहां कहीं भी रहे हों, वह अपनी माता जी से मिलने का समय निकाल ही लिया करते थे और अपनी माता के साथ समय व्यतीत किया करते थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 12 मई, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–06(05/58)

''मातृ दिवस'' पर आप सभी माताओं को मेरी तरफ से सादर नमन और ढेर सारी शुभकामनायें, आप सभी पूरी दुनिया के लिए सामाजिक और पारवारिक रिश्तों की महत्वपूर्ण धुरी है और आपके बिना ये पूरा का पूरा संसार अधूरा है।

कहते है जननी और जन्मभूमि दोनों स्वर्ग से भी महान है और मैं अपने आप को बहुत भाग्यशाली समझता हूँ कि इस जीवन में आपके प्यार एवं आशीर्वाद से मुझे दोनों की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, मैंने जिस आदर भाव से अपनी माँ की सेवा की उसी भाव से मैं अपनी माटी अपनी जन्मभूमि उत्तराखंड की भी सेवा करने के लिए प्रयासरत हूँ, मैं पूर्ण ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ अपने इस प्रदेश के लिए काम कर रहा हूँ।

किसी भी सरकार का पहला साल अपनी उपलब्धियों को गिनाने के लिए नहीं बल्कि एक मजबूत नींव रखने के लिए होता है लेकिन पिछले डेढ़ साल में हमने सिर्फ विकास की नींव ही नहीं रखी बल्कि उसके साथ–साथ बहुत सारे बड़े–बड़े कार्य भी किये है।

सरकार का पैसा वास्तव में जनता की मेहनत की कमाई का पैसा होता है जिसको जनता के हित के लिए ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए इसलिए सबसे पहले मैंने बड़े–बड़े होटलों में होने वाले मुख्यमंत्री के सारे कार्यकर्मों को जनता मिलन सभागार में करवाकर हर महीनें के लाखों रूपये की फिजूलखर्ची को रोका ताकि इस राशि का उपयोग जनता की भलाई करने में काम आ सके।

हमारी सरकार ने अपने इस प्रदेश को लूट खसोट से बचाने के लिए शराब और खनन के कारोबार को पूरी तरह ऑनलाइन करवा दिया साथ ही साथ ट्रांसफर एक्ट लागू कर प्रदेश की जनता को लाखों रुपये लेकर ट्रांसफर करवाने वाले दलालों से भी मुक्ति दिला दी। इसी तरह छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति एवं पेन्शन को आधार से लिंक करवाने से फर्जीवाड़े पर भी लगाम लगाया।

शास्त्रों में कहा गया है ''यत्र नार्यस्तु पूज्यंते....रमंते तत्र देवता'' अर्थात जहाँ नारियों की पूजा होती है वहीं पर देवताओं का वास होता है। जन्म से लेकर मृत्यु तक के जीवन में महिलाएं हमारे सामाजिक जीवन के हर पहलू का आधार है उनके बिना हम कभी भी पूर्ण नहीं हो सकते, उनके बेहतर भविष्य के लिए हमें उनका वर्तमान संवारना होगा इसलिए बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा, समृद्धि और उनके सशक्तिकरण के लिए हम अभी से सार्थक कदम उठा रहे है।

हमारा प्रदेश तीलू रौतेली, रामी बौराणी और गौरा देवी महान नारियों का प्रदेश है, यहाँ की महिलाओं को क्या सम्मान मिलना चाहिए मैं ये अच्छी तरह से जानता भी हूँ और समझता भी हूँ। इसलिए हमारी सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए देवभोग प्रसाद योजना शुरू की, बद्रीनाथ के 3 महिला समूहों ने सिर्फ 2 महीनों में 19 लाख रूपये का प्रसाद बेचा और 9 लाख रूपये का शुद्ध मुनाफा कमाया। ग्रोथ सेंटरों के माध्यम से महिलाओं को एल०ई०डी० उपकरण बनाने की ट्रेनिंग दी जा रही है, हम अपने प्रदेश की एकल महिलाओं को मात्र 1 प्रतिशत ब्याज दर पर 1 लाख रूपये तक का कर्ज मुहैया करवा रहे हैं ताकि वो खुद का अपना व्यापार शुरू कर सके। देहरादून और हल्द्वानी में हमने 2 महिला बैंक स्थापित किये जिनके सभी कर्मचारी सिर्फ महिलाएं है, इसके साथ– साथ नवजात बच्चियों के स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए उनको वैष्णवी हेल्थ किट मुहैया करवाई जा रही है और मेधावी बालिकाओं को प्रोत्साहित करने की लिए हमारी सरकार द्वारा लैपटॉप भी दिए जा रहे है। एकल महिलाओं के लिए हमने सखी ई–रिक्शा योजना भी चलाई है ताकि वो अपना जीवन यापन ठीक से कर सके और प्रसन्न रह सके।

मेरी माताओं और बहनों मुझ पर अपना विश्वास बनाये रखिये मैं आपको कभी निराश नहीं होने दूंगा बल्कि आपकी उम्मीदों के अनुरूप ही इस प्रदेश की सेवा करूँगा। मैं जानता हूँ मेरी कार्यप्रणाली से कुछ लोग नाराज है उनके लिए मैं यही कहना चाहूंगा की आने वाले समय में भी प्रदेश के हित के लिए मैं कठोर से कठोर कदम उठाऊंगा और कड़े से कड़े फैसले लूंगा। जिस फैसले का परिणाम जनहित में सकारात्मक होगा वो आगे कायम रहेगा और जिसका परिणाम नकारात्मक होगा वो तुरंत बदल दिया जाएगा।

अंत में आपको पुनः मातृ दिवस की ढेर सारी शुभकामनायें देते हुए आशा करता हूँ कि आप इसी तरह मुझे और मेरी सरकार को हमेशा अपना प्यार और आशीर्वाद देते रहेंगे।

धन्यवाद !
आपका

(त्रिवेंद्र सिंह रावत)

मुख्यमंत्री,उत्तराखंड

देहरादून 12 मई, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–05(05/57)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस एवं कौशल विकास तथा उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान के आवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री से राज्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर वार्ता भी की।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि श्री केदारनाथ–गौरीकुण्ड पैदल मार्ग के चौड़ीकरण के लिये पूर्व में ओएनजीसी के सीएसआर फण्ड के तहत रूपये 4.50 करोड़(चार करोड पचास लाख रूपये) के फण्ड को बोर्ड द्वारा स्वीकृत किया गया था। इस धनराशि को बढ़ाने का अनुरोध केन्द्रीय मंत्री से किया गया। जिस पर उनके द्वारा गौरीकुण्ड पैदल मार्ग के चौड़ीकरण के लिये कुल रूपये 10 करोड़ की सहमति प्रदान की। उल्लेखनीय है कि श्री केदारनाथ पैदल मार्ग की चौड़ाई 2.5 मीटर से बढ़ाकर 06 मीटर की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगोत्री एवं यमुनोत्री में नागरिक सुविधा एवं अवस्थापना के कार्र्यो को गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड(गेल) द्वारा किये जाने पर भी सहमति प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री श्री प्रधान ने ओएनजीसी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम देहरादून के लिए 50 करोड़ रुपए भी स्वीकृत किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि बी.एस. नेगी महिला प्राविधिक शिक्षण संस्थान के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रबंध समिति बनाई जाएगी। इससे संस्थान के कामकाज में आसानी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओएनजीसी का हेड ऑफिस देहरादून शिफ्ट किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने केन्द्रीय मंत्री को पी.एन.जी. गैस लाईन व सीएनजी के विस्तार पर बताया कि पी.एन.जी. गैस लाईन हरिद्वार तक बिछाई जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 मई, 2018 को ओएनजीसी सभागार में ओएनजीसी द्वारा बिडिंग राउंड रोड शो आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान रुद्रपुर, जनपद उधम सिंह नगर में पीएनजी कनेक्शन का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा सीएनजी गैस स्टेशन को देहरादून, हल्द्वानी व ऋषिकेश में शुरू करने की योजना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में पीएनजी व सीएनजी के विस्तार के संबंध में केन्द्रीय मंत्री ने आश्वस्त किया कि अगले 10वें चरण में पीएनजी व सीएनजी को उत्तराखण्ड के नैनीताल व मसूरी सहित अन्य क्षेत्रों पर भी विस्तार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री को अवगत कराया कि राज्य सरकार द्वारा उज्ज्वला योजना के तहत 2.50 लाख से कम वार्षिक आय वाले परिवारों, जिनके पास गैस कनैक्शन नही है, उन्हें निःशुल्क गैस कनैक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 12 मई, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–04(05/56)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शनिवार को तहसील चौक स्थित एक स्थानीय होटल में अन्तर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड नर्सेज सर्विस एसोशिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि फ्लोरंस नाइटिंगेल को सेवा के क्षेत्र में समर्पण के लिए दुनिया में जाना जाता है। उन्होंने एक उच्च वर्गीय परिवार में जन्म लेकर भी अपना सम्पूर्ण जीवन अभावग्रस्त लोगों की सेवा में लगाया। एक नर्स के रूप में उन्होंने लोगों की सेवा की। उनके इसी समर्पण भाव के कारण उनके जन्म दिवस को अन्तर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि मन में सेवा का भाव होना चाहिए। उत्तराखण्ड में कार्यरत नर्सें अच्छा कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ईमानदारी एवं सेवा भाव के लिए उत्तराखण्ड के लोगों की विशिष्ट पहचान है। हॉस्पिटेलिटी के क्षेत्र में उत्तराखण्ड में नर्सों की डिमाण्ड बढ़ती जा रही है। इस अवसर पर उन्होंने लम्बी अवधि से राजकीय सेवा में अपनी सेवायें दे रही नर्सो को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि नर्स के रूप में सराहनीय सेवा देने के लिए उत्तराखण्ड की श्रीमती रंजना वालिया को राष्ट्रीय फ्लोरंस नाइटिंगेल पुरस्कार के लिए चुना गया है। यह पुरस्कार राष्ट्रपति के कर कमलों द्वारा प्रदान किया जायेगा।

इस अवसर पर स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. अर्चना श्रीवास्तव, मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य सलाहकार डॉ. नवीन बलूनी, डॉ. मीनीक्षी जोशी, डॉ. के. सी. पंत, डॉ. एच.डी. जोशी एवं प्रदेश के नर्सें उपस्थित थी।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 12 मई, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–03(05/55)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शनिवार को सचिवालय में वन विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबन्धन परियोजना में जो वन पंचायतें अच्छा कार्य कर रही हैं, उनको जनपद एवं प्रदेश स्तर पर सम्मानित भी किया जाए। इस परियोजना के तहत वन पंचायतों में स्थानीय स्तर पर लोगों की आजीविका बढ़ाने, वन क्षेत्रों के लैण्ड स्लाइड से प्रभावित क्षेत्रों के लिए आवश्यक उपचार एवं वन पंचायतों की क्षमता विकास पर विशेष बल दिया जाए।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबन्धन परियोजना के तहत जिन 750 वन पंचायतों का चयन किया गया है, इनमें जल संरक्षण, उन्नत किस्म के पौध रोपण एवं आर्गनिक उत्पादों को अधिक बढ़ावा दिया जाए। वन पंचायतों के लिए जो पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं, उनमें फलदार वृक्ष, चारा प्रजाति, औषधीय वृक्ष उपलब्ध कराये जाएं। वृक्षों को पानी की उपलब्धता के लिए वर्षा जल संचय की व्यवस्था भी की जाए। परम्परागत तरीको से जल संरक्षण के लिए चाल–खाल, तालाब एवं चैक डेम बनाये जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में वहां की पारिस्थितिकी के अनुसार वृक्षारोपण, मसालों की खेती, एरोमैटिक खेती आदि पर कार्य किया जाए। जिससे वन पंचायतों को आर्थिक लाभ हो सके एवं लोगों की आजीविका में वृद्धि हो सके। वन पंचायतों के अन्तर्गत पेयजल स्रोतों के पुनर्जीवीकरण का कार्य भी किया जाए। उन्होंने कहा कि जितने भी कार्य किये जा रहे हैं, उनकी जियो टैगिंग की जाए। इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए सभी सम्बन्धित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि क्षतिपूरक वनीकरण निधि प्रबंधन एवं नियोजन प्राधिकरण(उत्तराखण्ड कैम्पा) के तहत वनों के संरक्षण, संवर्द्धन, मृदा एवं जल के संग्रहण तथा सूख रहे जल स्रोतों के पुनरोद्धार के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जाये। उन्होंने कहा कि कैम्पा के अन्तर्गत स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए वृक्षारोपण एवं उनका अनुरक्षण, जल संरक्षण से सम्बन्धित कार्यों पर अधिक बल दिया जाए।

बैठक में वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत, मुख्य सचिव श्री उत्पल कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव डॉ. रणवीर सिंह, अपर मुख्य सचिव श्री ओमप्रकाश, प्रमुख वन संरक्षक श्री जयराज, सचिव श्री अरविन्द सिंह ह्यांकी, अपर सचिव डॉ. एम.एस बिष्ट एवं वन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

देहरादून 12 मई, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–02(05/54)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में यमुना बचाओ अभियान दल द्वारा आयोजित जन चेतना शोभा यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विधायक श्री गणेश जोशी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि नदियों का संरक्षण हम सबकी सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि गंगा और यमुना दोनों का उद्गम स्थान उत्तराखण्ड में है। इसलिए गंगा और यमुना को स्वच्छ और निर्मल बनाये रखने के लिए सबको मिलकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि सामाजिक संस्थाएं इस क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा एवं यमुना की अविरलता को बनाए रखने के लिए हमें बहुआयामी प्रयास करने होंगे। हमें उन सभी धाराओं को जीवित रखना होगा जिनसे मिलकर ये नदियाँ बनती है।

यमुना बचाओ अभियान के तहत अनमोल ग्राम स्वराज संस्थान एवं शिव शक्ति राम चरित्र सेवा के स्वयं सेवकों द्वारा तीन दिन तक यमुना के सभी घाटों पर स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा।

नई दिल्ली/देहरादून 12 मई, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–01(05/53)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शनिवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर से उनके आवास पर भेंट की।

इस अवसर पर केन्द्रीय ग्रामीण विकास, पंचायती राज, खनन मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट(एस.आई.आर.डी.) एवं एक्सटेंशन ट्रेनिंग सेंटर के अन्तर्गत संस्थान की बिल्डिंग, हॉस्टल, वेतन एवं फैकल्टी के लिये केंद्रीय अनुदान की सहमति दी।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री से उत्तराखण्ड में ग्रामीण विकास के लिये हरिद्वार एवं ऋषिकेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के लिये आउटलेट खोले जाने का अनुरोध किया, जिससे की स्वयं सहायता समूहों को उनके उत्पादों का सही मूल्य व सही मार्केट मिल सके।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।